

Badische Landesbibliothek Karlsruhe

Digitale Sammlung der Badischen Landesbibliothek Karlsruhe

Titelblatt

[urn:nbn:de:bsz:31-337707](https://nbn-resolving.org/urn:nbn:de:bsz:31-337707)

Kalender

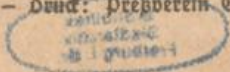
des

Badischen Bauern-Vereins



1923

Für die Schriftleitung verantwortlich: Generaldirektor Dr. Fengenheister.
Verlag: Badischer Bauern-Verein e. V. - Druck: Preßverein G. m. b. H. Sämtliche in Freiburg i. Br.



Seite
er
46
47
47
47
on
48
74
po
75
83
87
87
87
88
89
89
90
91
94
agseite

M. 515
1923



Der Winter hat sein starres Dehnen
Um alle Furchen ausgespannt.

Januar

O, segne, Herr, uns Raft und Sehnen
Und Haus und Hof und Heimland!

| Katholisch | | Sonnen- Aufg. Untg. | | Evangelisch | | | |
|---|---------------------|------------------------|------|--------------------------------------|---------|---------------------|--|
| 1 M | Neujahr | 8 05 | 4 02 | n 3 10 | v 5 55 | Neujahr | |
| 2 D | Matarius | 8 05 | 4 03 | 4 03 | 6 53 | Abel, Seth | |
| 3 M | Genovefa | 8 05 | 4 04 | 5 04 | 7 45 | Isaak | |
| 4 D | Titus, Isab. | 8 05 | 4 05 | 6 11 | 8 30 | Elias | |
| 5 F | Telesphor | 8 05 | 4 06 | 7 22 | 9 10 | Simcon | |
| 6 S | Feil. 3 Kön. | 8 05 | 4 07 | 8 37 | 9 44 | Feil. 3 Kön. | |
| 1. Jesus zwölf Jahre alt. — Valentin | | | | 1. Philippus und der Rämmerer. | | | |
| 7 S | 1. n. Epiph. | 8 04 | 4 08 | 9 53 | 10 15 | 3. n. Weihn. | |
| 8 M | Severin | 8 04 | 4 10 | 11 08 | 10 44 | Erhard, Sev. | |
| 9 D | Zul. Martial. | 8 04 | 4 11 | vorm. 11 12 | | Julian | |
| 10 M | Paul, Agatho | 8 03 | 4 12 | 12 24 | 11 41 | Samson | |
| 11 D | Hyginus | 8 03 | 4 14 | 1 39 | n 12 13 | Gerfon, Hyg | |
| 12 F | Ernestus | 8 02 | 4 15 | 2 52 | 12 48 | Reinhold | |
| 13 S | Hilarius | 8 01 | 4 16 | 4 04 | 1 29 | Hilarius | |
| 2. Die Hochzeit zu Kana. — Hilarius | | | | 2. Das Evangelium eine Kraft Gottes. | | | |
| 14 S | 2. n. Epiph. | 8 00 | 4 17 | 5 10 | 2 16 | 4. n. Weihn. | |
| 15 M | Sabatul | 7 59 | 4 19 | 6 09 | 3 09 | Maurus, Ita | |
| 16 D | Heinrich | 7 59 | 4 21 | 7 00 | 4 09 | Marcellus | |
| 17 M | Ulfried | 7 58 | 4 22 | 7 43 | 5 12 | Antonius | |
| 18 D | Wilsfriede | 7 57 | 4 24 | 8 20 | 6 17 | Priska | |
| 19 F | Sara, Kanut | 7 56 | 4 25 | 8 51 | 7 22 | Martha, Sara | |
| 20 S | Fabian, Seb. | 7 56 | 4 27 | 9 18 | 8 26 | Fabian, Seb. | |
| 3. Jesus heilt den Aussätzigen. — Agnes | | | | 3. Der Wandel im Licht. — Agnes. | | | |
| 21 S | 3. n. Epiph. | 7 55 | 4 29 | 9 43 | 9 29 | 5. n. Weihn. | |
| 22 M | Anastasiuſ | 7 53 | 4 30 | 10 06 | 10 32 | Vinzenz | |
| 23 D | Raimund | 7 52 | 4 32 | 10 29 | 11 33 | Emerentia | |
| 24 M | Erich | 7 51 | 4 34 | 10 54 | vorm. | Timotheus | |
| 25 D | Poppo | 7 50 | 4 36 | 11 19 | 12 35 | Pauli Vef. | |
| 26 F | Pauline | 7 48 | 4 37 | 11 48 | 1 37 | Polylarvus | |
| 27 S | Joh. Chry'ost. | 7 47 | 4 39 | n 12 22 | 2 38 | Johannes | |
| 4. Stillung des Sturms. — Karl d. Gr. | | | | 4. Weislich gefinnt sein ist Leben. | | | |
| 28 S | Septuages. | 7 46 | 4 41 | 1 02 | 3 39 | 6. n. Weihn. | |
| 29 M | Kranzv. Sales | 7 44 | 4 42 | 1 49 | 4 38 | Valerius | |
| 30 D | Martina | 7 43 | 4 44 | 2 45 | 5 32 | Adelgunde | |
| 31 M | Petrus | 7 41 | 4 46 | 3 50 | 6 20 | Virgilius | |

Bibliothek
Stadarchiv
Freiburg i. Br.

98/1069